



स्थापित 2000

आदर्श विद्या भारती

आवासीय बाल शिक्षण संस्थान

नारायणपुर, सरमेश रोड, बरबीघा जिला- शैखपुरा (बिहार) - 811101

मोबाईल नं.  9199627010,  8651686895



INFORMATION BROCHURE

Website : www.adarshvidyabharti.org, email : avbbarbigha@gmail.com Follow us on :      /avbbarbigha



आदर्श विद्या भारती

आवासीय बाल शिक्षण संस्थान

सरमेरा रोड, बरबीघा (शेखपुरा) मो०- 9199627010, 8651686895, 9708359494

स्थापना से अबतक विद्यालय के सफल विद्यार्थियों की सूची

विद्यालय का नाम	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
शैनिक स्कूल	-	1	6	5	8	15	17	42
भिलिंदी स्कूल	-	-	2	2	-	6	5	5
नवोदय विद्यालय	3	4	13	13	7	15	25	23

विद्यालय का नाम	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
शैनिक स्कूल	49	57	75	103	117	157
भिलिंदी स्कूल	20	12	12	8	13	32
नवोदय विद्यालय	31	35	32	57	75	72
नेतरहाट	8	15	11	12	13	8
हंगारीबाग	2	7	7	11	15	8
सिमूलतला	7	9	32	27	NO EXAM	14
बनस्यली	-	-	-	-	-	3

विद्यालय का नाम	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
शैनिक स्कूल	88	178	77	84	112	32	78	240	304
भिलिंदी स्कूल	3	14	23	30	34	1	11	22	12
नवोदय विद्यालय	75	67	43	44	72	20	32	26	26
गुरुकुल (हरियाणा)							5	75	28
सिमूलतला	-	24	21	25	39	14	14	23	50
बनस्यली	22	31	26	40	2	2	NO APER	10	03
आर० के० मिशन, देवघर	6	9	17	17	25	5	20	35	37
आर० के० मिशन, पुरलिया	1	5	5	08	15	4		7	9
आर० के० मिशन, नोन्दपुर	-	-	2	01	10	3	7	9	9
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय	25	12	07	08	3				

स्थापना से अबतक

सफलता के

नोट : यहाँ लड़कियों के लिए भी आवासीय सह शिक्षण सुविधा उपलब्ध है।

Website : www.adarshvidyabharti.org

बढ़ते कदम...



प्रस्तावना



शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य में अन्तर्निहित समस्त नैसर्गिक शक्तियों एवं संभावनाओं को पूर्ण रूप से विकसित करते हुए मनुष्य को वर्तमान समय के साथ चलने में सक्षम बनाना ही नहीं वरन् उसे सभी मानवोचित गुणों से विभूषित करना भी है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य के बौद्धिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिभा की खोज और समस्त आचरण का निर्माण किया जाता है। यह विद्या मंदिर अपनी स्थापना की घड़ी से ही शिक्षा के उपरोक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कटिबद्ध है। चूंकि यह संस्था बाल शिक्षा से संबद्ध है, इसलिए इसका दायित्व और भी बढ़ जाता है। नकल करने और जल्दी ही किसी चीज को ग्रहण कर लेने की नैसर्गिक गुण वाले इन भावी कर्णधारों को जो कुछ मिले, शुद्ध, अच्छा, समयोचित तथा नैतिकता से पूर्ण मिले, इसकी व्यवस्था में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा जाएगा।

वन्दे मातरम्

प्राचार्य
संजीव कुमार



एक परिचय

अनुशासन, समय की पाबन्दी, कर्तव्य-बोध तथा उचित मार्गदर्शन की नींव पर जो कुछ भी खड़ा किया जाएगा, सब मिलाकर उसका नाम सफलता या इसके पर्याय के अतिरिक्त कुछ और नहीं हो सकता। यह विद्या मंदिर भी सफलता प्राप्ति के उन आधारभूत तत्वों के प्रति पूर्ण रूप से जागरूक है।

1. नियमों की अनिवार्यता –

सभी नियमों एवं निर्देशक तत्वों का पालन संस्थान से जुड़े सभी लोगों द्वारा समान रूप से किया जाता है कोई इससे परे नहीं है।

2. शिक्षा का माध्यम –

आधुनिक दौर में अंग्रेजी के महत्व को देखते हुए यहाँ शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी स्वीकार किया गया है। इसके अलावे हिन्दी, कम्प्यूटर, विज्ञान, सामान्य ज्ञान, सामाजिक अध्ययन, क्राफ्ट एवं कला आदि महत्वपूर्ण विषयों का अध्यापन सुयोग्य शिक्षकों द्वारा किया जाता है। तथा बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए स्मार्ट क्लास रूम की भी व्यवस्था है।



3. पाठ्यक्रम –

केन्द्रीय विद्यालयों के पाठ्यक्रम के साथ-साथ बिहार सरकार के सरकारी विद्यालयों के पाठ्यक्रम को अपनाया गया है। किसी भी बाल प्रतियोगिता परीक्षा के लिए अलग से तैयारी कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। विद्यार्थी हर वक्त इसके लिए तैयार मिलेंगे।



4. पाठ्यक्रमेत्तर क्रियाएँ –

बच्चों के बहुमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए वाद-विवाद, भाषण, लेख, एवं बुद्धि-परीक्षा जैसी प्रतियोगिताओं को समय-समय पर आयोजित करने और बच्चों की रुचि एवं मनोस्थिति को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों में उनको प्रोत्साहित करने का पूरा प्रयास किया जाता है।

5. पाठ्य-पुस्तकें एवं लेखन सामग्री –

शैक्षणिक सत्र की पाठ्य पुस्तकें एवं लेखन सामग्री छात्रों के अभिभावकों द्वारा देय होगा। आपातकाल में कॉपी, पेन, पेंसिल, इत्यादि विद्यालय द्वारा भी मुहैया करा दिया जायेगा जिसे विद्यार्थी के एकाउंट पर सम्मिलित कर लिया जायेगा।



6. शारीरिक शिक्षा एवं खेल कूद –

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसलिए विद्यार्थियों के शारीरिक विकास हेतु खेल-कूद की व्यवस्था की गई है।



7. मनोरंजन –

खेल-कूद की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ टेलीविजन तथा कैसेट-रिकार्डर का प्रबंध तो किया ही गया है अच्छे-अच्छे चलचित्रों को भी दिखाने की व्यवस्था है। समय-समय पर मनोरंजन के दूसरे साधनों का लाभ भी बच्चे को मिलता है। जैसे- कैरम, चेस, बैडमिंटन इत्यादि।





8. प्रगति-प्रतिवेदन –

छात्रों के सतत् मूल्यांकन के लिए समय-समय पर पाक्षिक, मासिक, अर्द्धवार्षिक तथा वार्षिक परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं और उनके प्राप्तियों का प्रगति प्रतिवेदन अभिभावकों को भेजा जाता है।

कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन विषयानुसार निःशुल्क किया जाता है। परीक्षा में किसी विषय में खराब प्रदर्शन करने पर संबंधित छात्र को उस विषय के लिए आयोजित विशेष कक्षाओं में सम्मिलित कर सही स्थिति में आने का भरपूर मौका दिया जाता है। अलग से ट्यूशन पूर्णतः वर्जित है।

9. विभिन्न परीक्षाएं :-

① नामांकन के बाद प्रत्येक महीना मासिक परीक्षा आयोजित की जाती है। मासिक परीक्षा का प्रतिवेदन 15 तारीख को अभिभावकों को दिया जाता है। इसके अलावे अक्टूबर में अर्द्धवार्षिक एवं मार्च में वार्षिक परीक्षा होती है। अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा की प्रगति की सूचना अभिभावकों को परीक्षा समाप्ति के 15 दिनों के अंदर मैसेज के द्वारा भेजी जाती है। प्रगति सूचना मिलने के बाद किसी भी महीने के 15 तारीख को प्राचार्य एवं विषयवार शिक्षकों से मिलकर उस संदर्भ में चर्चा की जा सकती है।

② पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक परीक्षा आयोजित की जाती है। साप्ताहिक परीक्षा का परिणाम अभिभावकों के मोबाईल पर मैसेज के माध्यम से भेजा जाता है। 15 तारीख को अभिभावक परीक्षा परिणाम के लिए वर्ग शिक्षक तथा प्राचार्य से मिल सकते हैं।

10. अगली कक्षा में प्रोन्नति के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में कम-से-कम 50 प्रतिशत अंक तथा सभी विषयों के प्राप्तियों का औसत कम-से-कम 50 प्रतिशत होना चाहिए।

11. अन्य क्रिया-कलाप –

शैक्षणिक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा अनेक क्रिया-कलापों का आयोजन किया जाता है। छात्रों को इन क्रिया-कलापों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।





12. विद्यालय का शैक्षणिक सत्र –

विद्यालय का शैक्षणिक सत्र अप्रैल से मार्च तक होता है।

13. नामांकन का प्रारम्भ –

प्रत्येक सत्र में बच्चों का नामांकन अप्रैल के प्रथम सप्ताह में होता है। 10 A.M. से शाम 4 P.M. तक कभी भी इस संबंध में आप विद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ष नये नामांकन की प्रक्रिया 15 दिसंबर से प्रारंभ होती है। मध्य मार्च में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है।

14. प्रवेश का मापदंड –

धर्म, जाति, अपने-पराये, ऊँच-नीच इत्यादि संकीर्णताओं से परे रहते हुए 7 वर्ष से 12 वर्ष के आयु वर्ग के सभी स्वस्थ बालक-बालिकाओं का नामांकन प्रवेश परीक्षा में सफल घोषित किये जाने पर प्रथम से पाँचवीं कक्षा के बीच योग्यतानुसार लिया जाता है।

शिक्षकों की पहली योग्यता उनका उत्तम चरित्र एवं शालीन व्यवहार है। उनकी सेवा-शर्तों में इस बात को स्पष्ट कर दिया गया है कि विद्यार्थियों से या आपस में किसी तरह का अशिष्टता असहनीय होगी। इस विद्यालय का मान्यता है कि एक बिगड़े हुए चरित्रवाला या अशिष्ट शिक्षक विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष में जितना दे सकता है परोक्ष में उससे कहीं ज्यादा ले लेता है।

15. विद्यालय का उद्देश्य—

विद्यार्थियों की प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए उसे देश के प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयार करना। यहाँ रामकृष्ण मिशन देवघर, रामकृष्ण मिशन पुरुलिया, रामकृष्ण मिशन नरेन्द्रपुर, सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, नेतरहाट, इंदिरा गाँधी बालिका विद्यालय हजारीबाग, सिमुलतला आवासीय विद्यालय, वनस्थली विद्यापीठ, बी. एच. यू., जवाहर नवोदय विद्यालय एवं गुरुकुल इत्यादि विद्यालयों में नामांकन के लिए तैयारी करायी जाती है।



16.विद्यालय में कार्य के घंटे – (सोमवार से शनिवार)

जागरण	: 5:00 बजे प्रातः
नित्यकर्म	: 5:00 से 6:15
अध्ययन	: 6:30 से 8:30
नाश्ता	: 8:30 से 9:30
प्रार्थना	: 9:50 बजे प्रातः
प्रथम घंटी	: 10:00 से 10:50
द्वितीय घंटी	: 10:50 से 11:30
तृतीय घंटी	: 11:30 से 12:10
दोपहर का भोजन	: 12:10 से 01:30
चतुर्थ घंटी	: 1:30 से 2:10
पंचमी घंटी	: 2.10 से 2:50
षष्ठी घंटी	: 2:50 से 3:25
सप्तमी घंटी	: 3:25 से 4:00
शाम का नाश्ता	: 4:10 से 5:00
खेल	: 5:00 से 6:30
रात्रि अध्ययन	: 6:45 से 8:30
रात्रि भोजन	: 8:30 से 9:30
रात्रि विश्राम	: 09.30

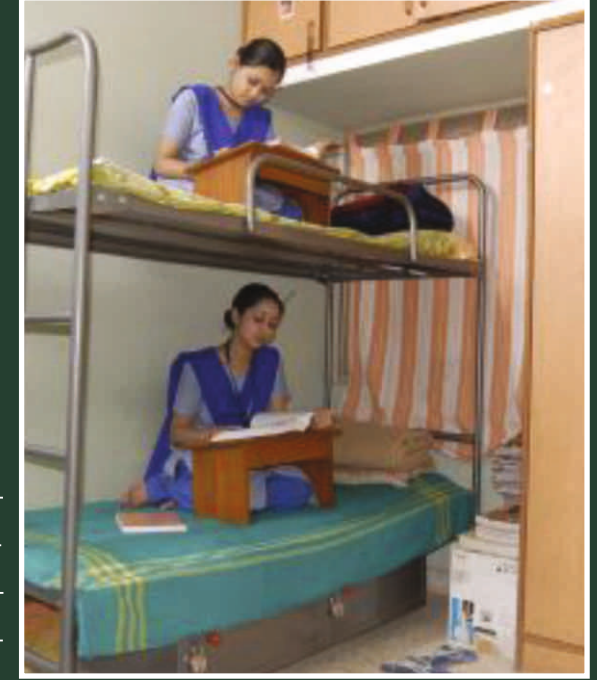


अवकाश —

- (1) होली की छुट्टी जो मात्र 12 से 15 दिनों के लिए होती है।
- (2) दीपावली एवं छठ व्रत की छुट्टी जो मात्र 14 से 16 दिनों के लिए होती है।

छात्रावास

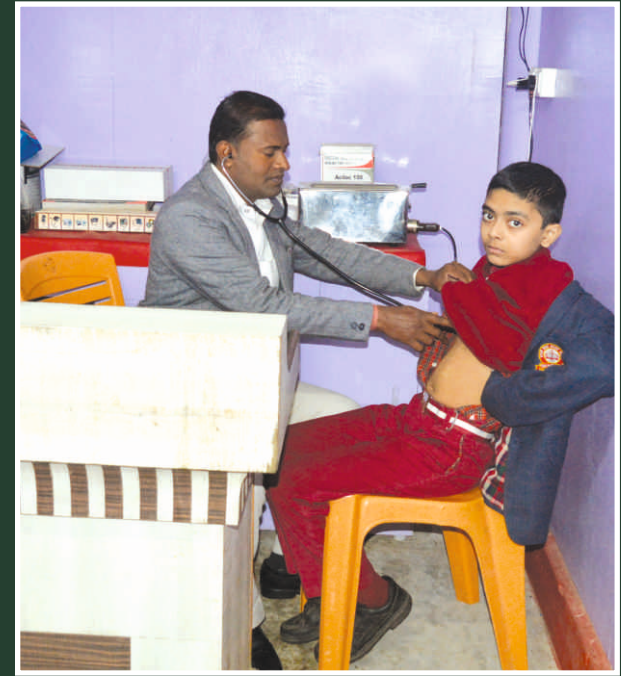
- ★ वातानुकूलित छात्रावास की व्यवस्था।
- ★ विद्यार्थियों की सुविधा और उसकी सफलता के विशेष अवसरों के मद्देनजर इस संस्था ने छात्रावास की उत्तम व्यवस्था की है। छात्रावास का एक मात्र लक्ष्य है विद्यालय की लक्ष्य प्राप्ति में भरपूर सहयोग देना। छात्रावास में भी शिक्षण व्यवस्था समुचित ढंग से हो सके इसलिए विद्यार्थियों पर सुयोग्य शिक्षकों की निगरानी की व्यवस्था की गई है।
- ★ छात्रों के पथ प्रदर्शक के रूप में नियुक्त छात्रावास शिक्षकों की देख-रेख में बच्चे रहते हैं। प्रत्येक सदन में छात्रावास शिक्षक को सहयोग प्रदान करने के लिए दूसरे अध्यापक तथा छात्रावास अधीक्षक एवं अधीक्षिका होते हैं जो छात्रों के रहन-सहन, सुख-सुविधा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी बातों पर विशेष ध्यान रखते हैं।
- ★ विद्यालय में अधिकतम 800 छात्र/छात्राओं की पठन-पाठन की व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र अध्ययन करते हैं।
कार्य की देख-रेख, छात्रों के कार्यों, क्रिया-कलापों का पर्यवेक्षण प्रवेश के समय से ही प्रारंभ हो जाता है। छात्रावास शिक्षक और कक्षा अध्यापक छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर सदैव ध्यान देते रहते हैं और आवश्यकतानुसार छात्रों को उचित तथा अध्ययन में सहायता प्रदान करते हैं।



चिकित्सा सुविधा –

छात्रावास में रहने वाले सभी बच्चों के स्वास्थ्य का पूरा-पूरा ख्याल रखा जाता है। उनके द्वारा स्वास्थ्य संबंधित हर शिकायत को गम्भीरता से लिया जाता है तथा कुशल चिकित्सक से उनकी चिकित्सा करायी जाती है। चिकित्सा खर्च का भार अभिभावक स्वयं वहन करते हैं।

इन व्यवस्थाओं के अतिरिक्त भी वैसा हर उपाय काम में लाया जाता है, जिससे बच्चों को सर्वांगीण विकास हो तथा छात्रावास में उन्हें अपनेपन की गंध तथा घरेलू वातावरण मिल सके।



भोजन व्यवस्था –

सभी छात्र एक साथ भोजनालय में भोजन ग्रहण करते हैं। जहाँ भोजनालय प्रबंधक नियुक्त हैं, जिनकी देख-रेख में भोजन एवं खान-पान की समुचित व्यवस्था की जाती है।

खान-पान के संबंध में स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का विशेष ध्यान रखा गया है। छात्रों की रुचि के अनुसार प्रत्येक दिन सुबह एवं शाम का नाश्ता अलग-अलग रखा गया है। इसके अलावे दोपहर का भोजन एवं रात्रि भोजन का विवरण भी निम्न है।

1. प्रत्येक दिन सुबह का नाश्ता का विवरण :- नास्ते का समय (8.30 से 9.30)

सोमवार	—	मटर पनीर एवं पूरी	मंगलवार	—	पुलाव एवं तड़का
बुधवार	—	रोटी एवं छोला	गुरुवार	—	पूरी, सब्जी एवं खीर
शुक्रवार	—	रोटी, सब्जी	शनिवार	—	जलेबी, पूरी एवं सब्जी
रविवार	—	चाउमिन / पास्ता			

2. दोपहर का खाना—दाल, चावल, सब्जी एवं सलाद / अचार / पापड़ / चिप्स ।

3. प्रत्येक दिन शाम का नाश्ता का विवरण :- नास्ते का समय शाम 4:10

सोमवार	—	दूध एवं मौसमी फल	मंगलवार	—	दूध एवं सेब
बुधवार	—	दूध एवं मौसमी फल	गुरुवार	—	दूध एवं समोसा
शुक्रवार	—	दूध एवं बिस्किट	शनिवार	—	दूध एवं मौसमी फल
रविवार	—	दूध एवं समोसा			

4. रात्रि भोजन विवरण जिसका समय 8:30 रात्रि है।

सोमवार	—	रोटी एवं सब्जी			
मंगलवार	—	रोटी एवं सब्जी			
बुधवार	—	रोटी एवं अण्डाकरी (मांसाहारी), रोटी, सब्जी एवं खीर (शाकाहारी)			
गुरुवार	—	रोटी एवं सब्जी			
शुक्रवार	—	रोटी एवं अण्डाकरी (मांसाहारी), रोटी, सब्जी एवं खीर (शाकाहारी)			
शनिवार	—	रोटी, सब्जी एवं खीर			
रविवार	—	रोटी, चिकेन / मटन (मांसाहारी), रोटी, सब्जी एवं खीर / मिठाई (शाकाहारी)			

5. प्रत्येक पर्व में उस पर्व के अनुरूप भोजन दी जाती है।



प्रवेश के दिन अभिभावकों द्वारा निम्नलिखित सामान अपने साथ लाना अनिवार्य है।

1. हरा+सफेद चेक टेरीकाट हाफ शर्ट-2
2. हरा+सफेद चेक टेरीकाट फुल शर्ट-2 (जाड़े में)
3. हरा रंग का हाफ पैट-2 (लड़की के लिए स्कर्ट-2)
4. हरा रंग का फुल पैट-2 (जाड़े में)
5. मैरून चेक टेरीकाट हाफ शर्ट-2
6. मैरून चेक टेरीकाट फुल शर्ट-2 (जाड़े में)
7. मैरून हाफ पैट-2 (लड़की के लिए स्कर्ट-2)
8. मैरून रंग का फुल पैट-2 (जाड़े में)
9. हरा रंग का स्वेटर (लोगो के साथ)- 1 (जाड़े में)
10. मैरून रंग का स्वेटर (लोगो के साथ)- 1 (जाड़े में)
11. टोपी-1 (हरा एवं मैरून रंग का जाड़े में)
12. गर्म पैजामा एवं इनर-1 जाड़े में
13. रजाई या कम्बल (कवर सहित)-1 (जाड़े में)
14. बेड के साइज के अनुसार स्टील पेटी (बॉक्स)-1
15. नेलकटर
16. विद्यालय परिधान के अलावे दो शर्ट एवं दो पैन्ट
17. सूई, धागा एवं बटन-1
18. पेन, पेन्सिल, रबर सहित पेंसिल बॉक्स-1
19. Geometry Box (कक्षा 3,4 एवं 5 के लिए)-1
20. दो ब्राउन रंग का कवर रोल पेपर (पुस्तक आदि पर चढाने के लिए) व उस पर चिपकाने वाले 50 नाम चिट्ठे ।
21. ताला एवं चाबी-1
22. चाबी रखने के लिए मोबाईल का फीता या चाबी रिंग-1
23. फाइबर का पानी का बोतल-1
24. हवाई चप्पल-1 जोड़ा
25. जूता-1 जोड़ा (काला रंग का)
26. हरा रंग + मैरून रंग का मोजा 1-1 जोड़ा
27. रुमाल - 1
28. बनियान- 3
29. अण्डरवियर-2
30. शू ब्रश एवं पॉलिश-1
31. टूथ ब्रश, टूथ पेस्ट एवं टंग क्लीनर-1
32. तौलिया-1
33. स्कूल बैग-1
34. ऐनक-1
35. कंघी-1
36. ठंडा तेल- 1 शीशी
37. ओठ में लगाने वाला क्रीम-1 ट्यूब
38. कलम- लाल एवं ब्लू 1+1
39. विद्यालय का लोगो लगा टी-शर्ट-2
40. विद्यालय का नाम लिखा लोअर -2
41. विद्यालय का लोगो लगा ब्लेजर-1





अभिभावकों के लिए

अभिभावक ध्यान दें :-

1. यहाँ शुल्क की अदायगी वार्षिक, अर्द्धवार्षिक या त्रैमासिक है। जिसे आप उसी त्रैमासिक के प्रथम महीना के एक और पन्द्रह तारीख को अग्रिम के रूप में जमा कर सकते हैं। विलंब शुल्क प्रत्येक महीने ₹100 के साथ भुगतान करना होगा।
2. पालकों या अभिभावकों को विद्यालय में छात्रों से प्रत्येक महीना के 1 और 15 तारीख को 10 बजे से शाम 5 बजे तक मिलने की अनुमति रहती है। अभिभावकों को अपने पाल्य/पाल्या से मिलने के लिए उनका परिचय पत्र विद्यालय कार्यालय से निर्गत किया जाता है। इस परिचय पत्र में उल्लेखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। परिचय पत्र नहीं लाने पर उन्हें बच्चों से मिलने नहीं दिया जाएगा।
नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के पालकों/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे बच्चों से प्रारंभ में एक-दो महीने नहीं मिलें जिससे बच्चों को विद्यालय में व्यवस्थित होने में कठिनाई न हो।
3. अनुशासनात्मक कार्रवाई की स्थिति में यदि किसी बच्चे का निष्कासन संस्थान एवं अन्य विद्यार्थियों के हित में होगा तो ऐसा करने में विलम्ब नहीं किया जाएगा।
4. बच्चों से मिलने के समय अभिभावक उन्हें कोई भी सामग्री छात्रावास अधीक्षक के अनुमति के बिना नहीं देंगे।
5. अभिभावक अपने बच्चे को नास्ते के रूप में सिर्फ बिस्किट, सूखा फल एवं ताजा फल ही देंगे। इसके अलावे कोई भी सामान मान्य नहीं होगा। उसे वापस कर दिया जाएगा।





6. छुट्टियों में अधीक्षक की अनुमति के बिना छात्रावास से बच्चों को घर ले जाने नहीं दिया जाएगा ।
7. अभिभावकों को विद्यार्थियों के छात्रावास में प्रवेश वर्जित है ।
8. विद्यार्थियों की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर प्रगति प्रतिवेदन मिलते ही अभिभावक को प्राचार्य से सम्पर्क स्थापित कर आवश्यक कदम उठाने में सहयोग देना चाहिए ।
9. कार्य दिवसों में छात्रावास में अपने बच्चों से मिलने का कष्ट अभिभावक न करें ।
10. बिना किसी सूचना के 12 दिनों से अधिक अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थी का नामांकन स्वतः रद्द समझा जाएगा ।
11. छुट्टी के बाद देर से आने पर एवं अनुपस्थित रहने की आदत से लाचार विद्यार्थियों से कड़ाई से निपटा जायेगा । इसका अन्जाम निष्कासन के रूप में भी आ सकता है ।
12. विद्यालय के द्वारा घर के लिए दिए गए काम की उपेक्षा अनुशासन हीनता मानी जाएगी । अनुशासन हीनता की स्थिति में बच्चों से कड़ाई से निपटा जाएगा ।
13. प्राचार्य अथवा अधीक्षक के पूर्व अनुमति के बिना अभिभावक छात्रों से न मिलें ।
14. छात्रों को इस विद्यालय के बाहरी किसी भी मित्र, व्यक्ति को बिना अनुमति छात्रावास में नहीं आना है ।
15. विद्यालय में किसी तरह का नशा सेवन पूर्णतः वर्जित है । अतः नशे की अवस्था में किसी व्यक्ति का प्रवेश निषिद्ध है । सिगरेट, बीड़ी तथा खैनी पर यह बात समान रूप से लागू होती है ।
16. छात्रावास से अनुपस्थित रहने पर छात्रावास शुल्क अनुपस्थित दंड के साथ लिया जाएगा । छात्रावास से अनुपस्थित रहने का दंड प्रतिदिन ₹100 है । अनुपस्थित दंड शारीरिक अस्वस्थता की स्थिति में माफ किया जा सकता है ।
17. छात्रावास से एक बार भी भाग जाने पर बच्चे का नामांकन रद्द कर दिया जाएगा ।
18. बच्चों को घर से आने के समय या विद्यालय में बच्चों से मिलते समय रूपए /पैसे नहीं दें । यह पूर्णरूपेण वर्जित है ।
19. कभी-कभी यानी संकट की घड़ी में बच्चों से भी मदद लिया जा सकता है ।
20. नामांकन कराने के पूर्व ही अभिभावक संतुष्ट हो लें । नामांकन के बाद न ही नामांकन शुल्क, छात्रावास शुल्क और न ही शिक्षण शुल्क लौटाया जाएगा । सिर्फ अग्रिम राशि लौटाई जायेगी ।



सुविधाएँ :-

विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ मौजूद है।

1. धोबी
2. नाई
3. मोची
4. दर्जी
5. चिकित्सक

कीमती सामान

छात्रों को अपने पास मूल्यवान वस्तुएँ (जैसे – कीमती घड़ी, सोने की अँगूठी / हार, मोबाईल फोन रखने की अनुमति नहीं है।)

छात्रों को अपने पास रुपये रखने की अनुमति नहीं है। यदि रुपये पाये गये तो उसे छात्र के पॉकेटमनी खाते में जमा कर दिए जायेंगे।

निष्कर्ष :-

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उचित दिशा में हर संभव प्रयास किया जाता है ताकि उसके अन्तर्निहित गुणों को उजागर किया जा सके। इसके बाद, वे इतने योग्य हो जाएं कि वे स्वयं उन कार्यों को दृढ़ता से जारी रख सकें जिन्हें करने की वे क्षमता रखते हैं और इस प्रकार वे जीवन में अपनी महत्वाकांक्षा को प्राप्त कर सकें।





सिमूलतला परीक्षा में आदर्श विद्या भारती के 172 विद्यार्थी रहे सफल

बरबीचा. राष्ट्रीय स्तर पर रिजल्ट मेकर के रूप में अपनी पहचान बना चुके आदर्श विद्या भारती स्कूल से एक बार फिर सिमूलतला प्रारंभिक परीक्षा में कुल 172 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय का ख्याति दूर-दूर तक स्थापित कर दिया. परीक्षा का परिणाम प्रकाशित होते ही सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी. इस अवसर पर समारोह आयोजित कर बूधवार को सिमूलतला प्रारंभिक परीक्षा में सफल बच्चे, विद्यार्थियों के इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय विद्यार्थियों और शिक्षकों के परस्परिक अथक मेहनत और लगन को देते कहा की ऐसी सफलता से विद्यार्थी जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है. सफल विद्यार्थियों में अर्जित सिंह, अलका कुमारी, अनामिका कुमारी, अन्न राज, गुनगुन सिंह, खुशी राज, ख्याति कुमकुम, पटेल, नय्या कुमारी, नेहा कुमारी, पुजा कुमारी, अभिनव कुमारी, अर्भक कुमारी, आदर्श आनंद, आदित्य कुमारी, हर्षित कुमारी, हिमांशु कुमारी, केशव कुमारी, कुंदन कुमारी, लव कुमारी, मनमोहन कुमार, नैतिक कुमारी, प्रिय कुमारी, राहुल रंजन, रंजन कुमारी, रंजन राज, ऋषि राज, रोहित कुमारी, रमिता कुमारी, उज्वल राज, युवराज माथुर इत्यादि शामिल हैं. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अथवा किराडी, संजय कुमार, राजीव कुमार, अमित कुमार, रवि शंकर कुमार, विनोद कुमार, भगवान प्रसाद, सोहन कुमार, अखिलेश कुमार, अर्जुन प्रसाद, शुभम पाठक, चक्राणि प्रसाद सिंह, सैफत सभी कर्मचारी एवं अभिभावक उपस्थित थे.



सिमूलतला प्रारंभिक परीक्षा में सफल बच्चे.

रामकृष्ण मिशन की परीक्षा में आदर्श विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

बिहार झारखंड से चयनित 14 में से 9 विद्यार्थी आदर्श विद्या भारती के शामिल



26 नवंबर को आयोजित रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ पूर्णिया के प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित होते ही बरबीचा स्थित आदर्श विद्या भारती के विद्यार्थियों के बीच एक बार फिर से खुशी की लहर दौड़ पड़ी. उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 9 विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराया दिया. बता दें कि रामकृष्ण मिशन पूर्णिया विभाग बंगाल बोर्ड के द्वारा संबन्धित अंग्रेजी माध्यम का एक प्रतिष्ठित विद्यालय है, जिसकी प्रवेश परीक्षा के अंग्रेजी भाग सभी प्रतिभागियों के लिए अनिवार्य है. जबकि द्वितीय भाग हिंदी या बंगाली का विकल्प रहता है. अंग्रेजी के साथ हिंदी विकल्प रखने वाले विहार-झारखंड के कुल 14 विद्यार्थी अंतिम मेधा सूची में जगह

सफल विद्यार्थी. यना पाए हैं, जिसमें 9 विद्यार्थी आदर्श विद्या भारती के शामिल हैं. ऐसी उत्कृष्ट सफलता विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के अथक मेहनत, लगन, समर्पण तथा प्रीति का दर्शाती है. रिजल्ट मेकर के रूप में अपनी पहचान बन चुके आदर्श विद्या भारती का एकमात्र उद्देश्य विद्यार्थियों के प्रारंभिक शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाने के प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा में आदर्श विद्या भारती के 35 बच्चों ने मारी बाजी

सिटी रिपोर्टर शेखपुरा

नवंबर के आगमन पर आदर्श विद्या भारती बरबीचा के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच जगन का माहौल देखने को मिला. 18 दिसंबर को आयोजित रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ देवघर की प्रवेश परीक्षा का परिणाम 31 दिसंबर प्रकाशित हुआ, जिसमें कुल 35 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर बरबीचा का गौरव राज्य ही नहीं पूरे देश में बढ़ाने का काम नि



विद्यार्थियों ने

सिंह, अंचलाधिकारी धुवनेश्वर यादव आदि उपस्थित थे। एसडीओ निशांत ने ऐसी अभूतपूर्व सफलता के लिए विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की टीम की जमकर प्रशंसा की तथा सभी सफल बच्चों को नवंबर की शुभकामनाएं प्रदान की कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के नन्हे मुने बच्चों के द्वारा स्वागत गान और नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसके बाद विद्यालय परिवार के द्वारा सभी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

,सत्यम राज (नालंदा), आयुष (खुदगंज, नालंदा), अनुपम कुमार (बिहार शरीफ), प्रियांशु कुमारी (बख्तियारपुर), सुधांशु कुमार (नवादा), आशीष गौतम (नालंदा), आयुष्मान सक्सेना (हिलसा), सोहन कुमार (नवादा), गौतम (मधेपुरा), निखिल राज (मुंगेर), उज्वल नारायण शर्मा (बरबीचा), हर्ष कुमार (लखीसराय), अमरजित (मधेपुरा), निखिल राज (मुंगेर), उज्वल नारायण शर्मा (बरबीचा), अमरजित कुमार (लखीसराय), अमरजित कुमार (जहानाबाद), कुमार (नालंदा), ज्ञानेश्वर राज (नालंदा), युवराज (बख्तियारपुर), उमंग रंजन (दरभंगा), रंजन कुमार (बाढ़), केशव कुमार (नालंदा), सत्यम राज (जमुई), रवि शंकर कुमार (बिरसाजींग), अदित्य राज (जहानाबाद), सोहित कुमार (खुदगंज, नालंदा), अनुपम आनंद (जहानाबाद), अथव सक्सेना (हिलसा), नितिन चंद्र (बख्तियारपुर), ज्ञानेश्वर राज (नवादा), माधव कुमार (बर्बोचा) तथा आलित आलमगीर (मधुबनी) शामिल हैं. इस अवसर पर विद्यालय के

आदर्श विद्या भारती स्कूल ने विद्यार्थियों को किया सम्मानित

संवाददाता, बरबीचा

आदर्श विद्या भारती स्कूल बरबीचा के द्वारा शनिवार को रंग सौंधा बने बच्चों की विदाई की केला में सांस्कृतिक कार्यक्रम सह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान आर के मिशन के विभिन्न विद्यालयों में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करने का भी काम किया गया. वर्षात की संख्या एवं नवंबर के आगमन के अवसर पर आदर्श विद्या भारती बरबीचा के विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों के बीच जगन का माहौल देखने को मिला. बताने चलें कि जोते 18 दिसंबर को आयोजित रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ देवघर की प्रवेश परीक्षा का परिणाम 31 दिसंबर प्रकाशित हुआ था. इसमें विद्यालय के कुल 35 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर बरबीचा का गौरव राज्य ही नहीं पूरे देश में बढ़ाने का काम किया सभी अभिभावक अपने अपने बच्चों को आर्थिक मिशन देवघर के वेब विद्यालय प्रबंधन के द्वारा 31 दिसंबर 2022 को वर्ष की अंतिम संख्या तथा नवंबर के आगमन के रूप में अवसर पर एक सम्मान समारोह आयोजित कर सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शेखपुरा जिला के तेजतारी पुलिस अधीक्षक कार्तिक्केन कुमार शर्मा, विशिष्ट अतिथि अनुमंडल अधिकांश निशांत कुमार, एडीएम अमित कुमार, जिला कृषि अभियंता निदेशक सुधीर कुमार, बरबीचा के प्रखंड विकास पदाधिकारी भरत सिंह, अंचलाधिकारी धुवनेश्वर यादव विष्णु धाम न्यास पाण्डे के अध्यक्ष तथा प्रख्यात चिकित्सक कल्याण आश-शेखपुरा सेंट्रल के अर्जुन गौतम, डॉक्टर सोहन, सचिव सविन कुमार गूड गेटेरीयन डॉ गौधव प्रसाद सिंह, गेटेरीयन मोहम्मद



सफल बच्चों को पुरस्कृत करते एसडीओ एसडीओ.

ममलख गेटेरीयन तथा संस्कार पब्लिक स्कूल के निदेशक विनोद कुमार गेटेरीयन निरंजन कुमार पांडे गेटेरीयन सचिन शशीफल उपस्थित थे.पुलिस अधीक्षक ने सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें सफलता के लिए हार्दिक बधाई दे.जो एसी अभूतपूर्व सफलता के लिए ऐसी अभूतपूर्व सफलता की टीम की जमकर प्रशंसा की तथा सभी सफल बच्चों को नवंबर की शुभकामनाएं प्रदान की. कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के नन्हे मुने बच्चों के द्वारा स्वागत गान और नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसके बाद विद्यालय परिवार ने आगत अतिथियों का स्वागत किया तथा उत्सव तथा पुष्पचुट देकर सम्मानित किया गया. सफल विद्यार्थियों में संकल्प कुमार (मुजफ्फरपुर), सोहित कुमार (गब), ज्ञानेश्वर राज (सत्यम राज (नालंदा), अक्षय राज (बिहार शरीफ), प्रियांशु कुमार (बख्तियारपुर), सुधांशु कुमार (नवादा), आशीष गौतम (नालंदा), सोहन कुमार (नवादा), अथव सक्सेना (हिलसा), नितिन चंद्र (बख्तियारपुर), ज्ञानेश्वर राज (नवादा), माधव कुमार (बरबीचा) तथा आलित आलमगीर (मधुबनी) शामिल हैं. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजीव कुमार ने आगत अतिथियों का स्वागत किया तथा उत्सव के रूप में विद्यालय के शिक्षक राजा चक्र ने अपने लक्ष्यदाय शब्दों से कार्यक्रम में श्वा चोट लगा दिया. इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक तथा कर्म अभिभावक तथा गेटेरीयन केशव शेखपुरा के कई गेटेरीयन शामिल हुए.



विद्यालय का मुख्य प्रशासनिक भवन



विद्यालय का वर्ग कक्ष



ICON OF BIHAR



विद्यालय का छात्रावास

